पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2021-23 प्रकाशित:01.07.2021 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

# युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

## दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई. एफ. एस.कोड - SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868051444 पर एस.एम.एस कर दें या 9958889970 पर Paytm कर दें। – अनिल आर्य

वर्ष-38 अंक-3 आषाढ़-2078 दयानन्दाब्द 198 01 जुलाई से 15 जुलाई 2021 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.07.2021, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

## केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल में भी 242वां वेबिनार सम्पन्न

# 68वें बलिदान दिवस पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को दी श्रद्धांजलि

### प्रधानमन्त्री मोदी जी ने धारा 370 हटा कर सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

बुधवार, 23 जून 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद ने प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक और भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 68 वें बलिदान दिवस पर ऑनलाइन श्रद्धांजलि अर्पित कर स्मरण किया। उल्लेखनीय है कि उनका श्री नगर (कश्मीर) में 23 जून 1953 को बलिदान हो गया था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि डॉ मुखर्जी अखण्ड भारत के स्वप्न दृष्टा थे, वह जम्मू कश्मीर को भारत का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहते थे जो अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा धारा 370 समाप्त कर उनके स्वप्न को पूरा कर सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की गई है। श्री आर्य ने कहा कि डॉ मुखर्जी वीर सावरकर के प्रशंसक और हिन्दू विचारधारा के अनुगामी थे और हिन्दू हितों के लिए संघर्षरत रहे। देश की एकता अखंडता की रक्षा का संकल्प लेना ही डॉ मुखर्जी को हमारी श्रद्धांजलि हो सकती है आज नयी युवा पीढ़ी को डॉ मुखर्जी की विचारधारा, उपलब्धियों और बलिदान के कारणों से परिचित करवाने की आवश्यकता है,डॉ मुखर्जी के साथ आज तक न्याय नहीं हुआ है। परिषद के राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि डॉ मुखर्जी की मृत्यु के कारणों पर आज भी पर्दा पड़ा हुआ है जिसकी जांच की आवश्यकता है इसकी जांच केंद्र सरकार को शीघ्र करवानी चाहिए जिससे महान बलिदानी को न्याय मिल सके। वैदिक विद्वान आचार्य गवेन्द्र शास्त्री ने कहा कि वह महान सेनानी थी हिंदू राष्ट्र का निर्माण उनके प्रति श्रद्धांजलि हो सकती है। आर्य नेता आनन्द प्रकाश आर्य(हापुड़) ने कहा कि डॉ मुखर्जी युवा पीढ़ी के आदर्श हो सकते है यदि नयी पीढ़ी को उनके बारे में बताया और पढ़ाया जाए। गायिका प्रवीन आर्या,संगीता आर्या गीत,दीप्ति सपरा, नरेंद्र आर्य सुमन,सुदेश आर्या,पुष्पा चुघ,प्रतिभा सपरा,वीना वोहरा ने देशभक्ति पूर्ण गीत सुनाये। समारोह अध्यक्ष आर्य नेता के के यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया धर्मपाल आर्य,सौरभ गुप्ता, अरुण आर्य,देवेन्द्र भगत,शिवम मिश्रा, वरुण आर्य आदि उपस्थित थे। गायिका प्रवीन आर्या,संगीता आर्या गीत,दीप्ति सपरा, नरेंद्र आर्य सुमन,सुदेश आर्या,पुष्पा चुघ,प्रतिभा सपरा,वीना वोहरा ने देशभक्ति पूर्ण गीत सुनाये। समारोह अध्यक्ष आर्य नेता के के यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। धर्मपाल आर्य,सौरभ गुप्ता, अरुण आर्य,देवेन्द्र भगत,शिवम मिश्रा, वरुण आर्य आदि उपस्थित थे।

# 'यज्ञ पर्व प्रकाश' पुस्तक का विमोचन

### व्यक्ति के संस्कार राष्ट्र निर्माण की नींव है –डॉ.अशोक कुमार चौहान (संस्थापक अध्यक्ष, एमिटी विश्वविद्यालय)

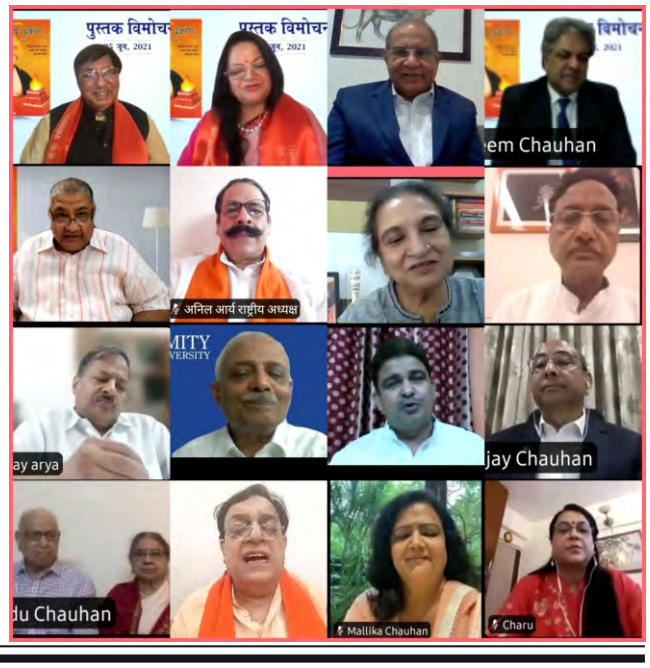


शुक्रवार 25 जून 2021, आर्य समाज डिफेन्स कॉलोनी, नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित समारोह में एमिटी शिक्षण संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार चौहान ने कहा कि संस्कारों का जीवन मे अपार महत्व है, यही व्यक्ति की समाज में पहचान करवाते हैं और राष्ट्र निर्माण का कार्य करते हैं। यह जीवन में नीव का काम करते हैं। डॉ.अशोक कुमार चौहान व डॉ. अमिता चौहान ने वेदों से चुने हुए मंत्रो की पुस्तक 'यज्ञ पर्व प्रकाश' का ऑनलाइन विमोचन किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि वैदिक मंत्रों में अपार शक्ति होती है हमें इन मंत्रों के भावार्थ को भी समझना चाहिए। आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती ने वेदों को पुनर्स्थापित किया वह उसके सही स्वरूप से परिचय करवाया। एमिटी की चेयरपर्सन डॉ अमिता चौहान ने कहा कि नारी शक्ति को यथोचित सम्मान महर्षि दयानंद ने ही दिया । महिला जगत उनका उपकार नहीं भूल सकता। पुस्तक लेखक इंदु चौहान ने कहा कि यह पुस्तक सरल शब्दों में वेद मंत्रों को प्रिय बनायेगी । कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी मंजीतसिंह चौहान ने की। कु समाया व समारा ने सुंदर भजन प्रस्तुत किये। एमिटी शिक्षण संस्थान के निदेशक आनन्द चौहान व आर्य नेता अजय चौहान ने धन्यवाद ज्ञापन किया । वैदिक विद्वान डॉ जयेन्द्र आचार्य ने कॅरोना काल में खुश रहने का संदेश दिया । डी ए वी मैनेजिंग कमेटी के सचिव अजय सहगल ने कुशल संचालन किया। प्रमुख रूप से केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य,प्रवीन आर्य (महामंत्री, उत्तर प्रदेश),मृदुला चौहान,धर्मपाल आर्य,विनय आर्य,डॉ अतुल चौहान,असीम चौहान,रोहित चौहान,संध्या चौहान आदि उपस्थित थे।

# आठ दिवसीय आर्य युवक निर्माण शिविर का समापन

## वर्तमान परिस्थितियों में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

## अनुशासन, आचरण, संस्कार आदर्श युवक की पहचान –आचार्य गवेन्द्र शास्त्री

रविवार 27 जून 2021,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद का वार्षिक आठ दिवसीय 'आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर' ऑनलाइन सोल्लास संम्पन्न हुआ। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि देश की वर्तमान परिस्थितियों में युवा ही राष्ट्र का भविष्य तय करेंगे। चरित्रवान युवा राष्ट्र की अनमोल धरोहर है। जैसे युवा होंगे वैसा ही राष्ट्र व समाज बनेगा। देश की बहुसंख्यक आबादी युवाओं की ही है, अतः संस्कारित युवाओँ का निर्माण आर्य समाज की प्रार्थमिकता है जिससे आने कल अच्छा हो और युवा देश की दिशा तय करें। वैदिक विद्वान आचार्य गवेन्द्र शास्त्री ने कहा कि आदर्श युवा के गुणों में अनुशासन, संस्कार, समय पालन, आचरण आदि समाज में एक अलग पहचान देते है। अतः युवाओँ को अपनी दिनचर्या और व्यवहार पर विशेष ध्यान देना चाहिए। मुख्य अतिथि आर्य नेता ओम सपरा ने कहा कि हमारी वाणी नहीं अपितु आचरण बोलना चाहिए, अन्य लोग उसपर स्वयं आचरण करेंगे। गायक नरेन्द्र आर्य सुमन, प्रवीन आर्या ने मधुर गीत प्रस्तुत किये। युवा नेता अजय सहगल (डलहौजी), स्वतंत्र कुकरेजा(करनाल),आचार्य महेन्द्र भाई, वीरेन्द्र आहूजा,के के यादव,प्रवीन आर्य (गाजियाबाद), यशोवीर आर्य,धर्म पाल आर्य,पवन सिंह आदि ने अपने विचार रखे । कार्यक्रम का कुशल संचालन अरुण आर्य ने किया। आर्य युवाओं द्वारा योगासन, दंड बैठक,लाठी,जुडो कराटे, मलखम्ब आदि के सुन्दर व्यायाम प्रदर्शन दिखाए गए। प्रमुख रूप से सौरभ गुप्ता, योगेन्द्र शास्त्री,वरुण आर्य,शिवम मिश्रा, लोकेश आर्य,वेदांशु आर्य,रामकुमार सिंह, रामकृष्ण शास्त्री, आस्था आर्या, किशन आर्य ,गौरव झा आदि उपस्थित थे।

## स्वामी दयानंद की शिक्षाओं पर चलकर ही देश आगे बढ़ सकता है –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार 20 जून 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 7 दिवसीय राष्ट्रीय आर्य युवक चरित्र निर्माण व व्यक्तित्व विकास शिविर का सफलतापूर्वक शुभारम्भ हुआ था। मुख्य अतिथि परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष यशोवीर आर्य ने कहा कि आदर्श युवकों का निर्माण करके ही हम परिवार व राष्ट्र का भविष्य उज्ज्वल बना सकते हैं। आज राष्ट्र संकट के दौर से गुजर रहा है अतरू आप देशप्रेमी भावनाओं से ओत–प्रोत होकर संगठित बनें, यह समय की जरूरत है। केंद्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि संस्कारित युवक पर ही राष्ट्र का भविष्य निर्भर करता है। आज की युवा पीढ़ी की सही दिशा व संस्कार नहीं मिल पा रहे, उस कमी को परिषद पूरा करने के लिये युवक निर्माण शिविर का आयोजन करती है। स्वामी दयानंद की शिक्षाओं पर चलकर ही देश आगे बढ़ सकता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री महेन्द्र भाई ने कहा कि शिविर में भाग लेने वाले युवक यहां पर सिखाई जाने वाली शिक्षाओं को अपने जीवन में धारण करके अपने जीवन को आदर्श जीवन बना सकते हैं। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के प्रांतीय महामंत्री प्रवीन आर्य ने विशिष्ट अतिथि के रूप में सभी को आशीर्वाद देते हुए कहा कि युवा पीढ़ी को संस्कारित करने हेतु केन्द्रीय आर्य युवक परिषद निरन्तर प्रयास करती है और इसी संदर्भ में राष्ट्रीय शिविर का आयोजन प्रसंसनीय है। इस अवसर पर नरेन्द्र आहूजा विवेक,धर्मपाल आर्य,गोपाल जैन,सौरभ गुप्ता आदि ने अपने विचार रखें। अरुण आर्य ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया। हरहर आर्य (झारखंड),शिवम मिश्रा (दिल्ली),वेदांशु शास्त्री (जम्मू कश्मीर), अजीत आर्य (राजस्थान), लोकेश आर्य (उत्तर प्रदेश),वरुण आर्य।

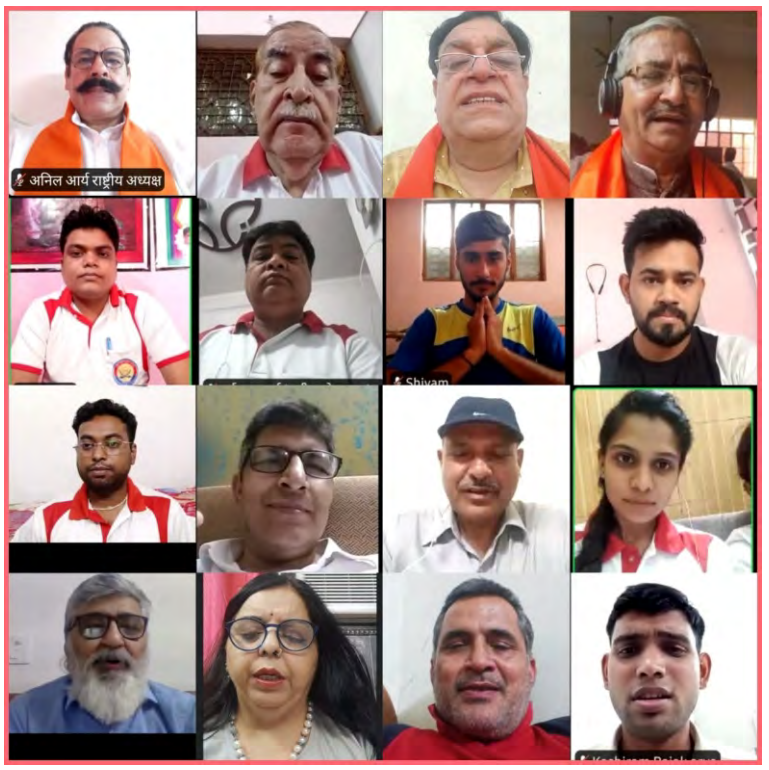


## युवा निर्माण से होगा राष्ट्र कल्याण –स्वामी आदित्यवेश

## राष्ट्र की समस्याओं का समाधान है युवाओं के पास–राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

मंगलवार 22 जून 2021,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के आर्य युवक निर्माण शिविर में आर्य युवा सन्यासी स्वामी आदित्य वेश ने कहा कि युवा शक्ति का चरित्र निर्माण सबसे बड़ी आवश्यकता है,राष्ट्र की नींव चरित्रवान युवा पीढ़ी ही है।जिस राष्ट्र की युवा पीढ़ी जाग्रत होगी उस राष्ट्र का भविष्य उज्जवल रहेगा। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि देश का बहुसंख्यक वर्ग आज युवा शक्ति है उसे सही दिशा देने की आवश्यकता है।राष्ट्र की समस्याओं का समाधान युवा ही निकालेंगे।देश की दिशा व दशा युवा ही बदल सकते हैं। मुख्य अतिथि आर्य नेत्री उर्मिला आर्या ने कहा कि महर्षि दयानंद जी की विचारधारा पर चलकर ही युवाओं का कल्याण सम्भव है। व्यायामाचार्य सौरभ गुप्ता ने कहा कि आसनों व प्राणायाम के निरंतर अभ्यास से शारिरिक व मानसिक विकृति से छुटकारा पाया जा सकता है।उन्होंने बताया कि सोने,उठने,बैठने आदि गतिविधियों को करते समय अपनी शारिरिक स्थिति का ध्यान रखने की आवश्यकता है की वे सही रहे।साथ हीं विटामिन डी का सेवन अवश्य करें। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने शुभकामनाएं प्रदान की। कार्यक्रम का कुशल संचालन अरुण आर्य व विकास आर्य ने किया।इस अवसर पर संगीता आर्या,ओम सपरा राजश्री यादव,मनोज आर्य,वरुण आर्य, शिविम मिश्रा,धर्म पाल आर्य, वीरेन्द्र आहूजा आदि उपस्थित थे।

**कृपया अपनी प्रिय पत्रिका "युवा उद्घोष" को नियमित बनाये रखने के लिये केवल 100/– रू का सहयोग "युवा उदघोष, A/N0. 20024363377, IFSCode. MAHB0000901, बैंक आफ महाराष्ट्र, डा. मुखर्जी नगर, दिल्ली–110009 पर आनलाईन भेजें।**

# प्राणायाम से बढायें फेफड़ों की क्षमता पर गोष्ठी सम्पन्न

## स्व पर अनुशासन से होगा शासन –योगाचार्य सेवक जगवानी

शनिवार 19 जून 2021,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'प्राणायाम से बढ़ायें फेफड़ों की क्षमता' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 237 वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता योगाचार्य सेवक जगवानी ने कहा कि कर्म हम धर्म के करते नहीं,इसलिए मर्म आते हैं,योग में ना रह कर के,भोग में रहते हैं इसलिए रोग आते हैं। हर व्यक्ति शासन करना चाहता है लेकिन अनुशासन में कोई रहना नहीं चाहता इस अनुशासनहीनता के कारण ही हम सभी कष्ट भोगने के लिए बाध्य हो गए और वर्तमान में कोरोना महामारी अनुशासन हीनता के कारण आई है लोग प्रकृति से दूर हो गए, हमें ईश्वर का धन्यवाद करना चाहिए कि ऐसे संकट में भी हम जीवित हैं। इस संसार में यह जो समय चल रहा है समुंद्र मंथन का चल रहा है शीघ्र ही अमृत निकलेगा शुभ दिन आएंगे ईश्वर की कृपा से जन जीवन सामान्य हो जाएगा।यूं तो साधन अनेक हैं,पर साधना कोई करता नहीं,उन्होंने कहा कि योग केवल शरीर को साधने की कला नहीं है,शरीर को कितना भी साध लो जब तक विचारात्मक भावनात्मक परिवर्तन नहीं होगा,काम नहीं चलेगा,योग को दैनिक दिनचर्या में शामिल करने पर बल दिया।जीवन में पतंजलि– ऋषि द्वारा प्रतिपादितअष्टांग योग १) यम–अहिंसा,सत्य,ब्रह्मचर्य, अस्तेय,अपरिग्रह... २) नियम, शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय, ईश्वर प्राणिधान,३) आसन, ४) प्राणायाम ५) प्रत्याहार, ६) धारणा, ७)ध्यान, ८) समाधि को अपनाये तो परिवार और समाज सुखी हो जाये,प्रसन्न जीवन जीने की कला है योग। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि योग का अर्थ है जोड़ना, हमें समाज को जोड़ने का कार्य करना चाहिए।स्वस्थ समाज की संरचना में योग कारगर है जो जाति,लिंग,प्रान्त देश से ऊपर उठकर सभी के लिए समान लाभकारी है। मुख्य अतिथि कवियित्री अनिता गुप्ता(मेरठ) व अध्यक्ष नरेन्द्र प्रकाश हसीजा ने योग के महत्व पर प्रकाश डाला और योग को जीवन में अपनाने पर बल दिया। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि योग ही जीवन का आधार है। गायिका प्रवीना ठक्कर,प्रतिभा सपरा,राजकुमार भंडारी, ईश्वरदेवी,मृदुला अग्रवाल, कमलेश भाटिया,सुदेश आर्या, कमलेश हसीजा,कुसुम भंडारी आदि ने मधुर गीत सुनाये। आचार्य महेन्द्र भाई,आनन्द प्रकाश आर्य,सौरभ गुप्ता,सुशील बंसल,अमरनाथ बत्रा,रत्नाकार बत्रा,करुणा चांदना,वेद भगत, वीरेन्द्र आहूजा,नरेंद्र आर्य सुमन आदि उपस्थित थे।

# आर्य समाज ने मनाया अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

## योग आत्मा की खुराक है –डॉ. रमेश योगाचार्य
## सकारात्मक ऊर्जा के लिए योग अपनाये–राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

सोमवार 21 जून 2021, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के 7 वे स्थापना दिवस पर आज विश्व भर में योग दिवस के कार्यक्रम सोल्लास सम्पन्न हुए। आर्य समाज ने भी योग उत्सव धूमधाम से मनाया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में ऑनलाइन 'योग उत्सव' मनाया गया। यह कॅरोना काल में 238 वा वेबिनार था। मुख्य वक्ता डॉ. रमेश योगाचार्य ने योग को जीवन का अभिन्न अंग बताते हुए अपनाने का आह्वान किया । उन्होंने कहा कि योग धैर्य, आत्म विश्वास, प्रसन्नता प्रदान करता है । योगगुरु रामदेव जी ने इसे विश्व पटल पर स्थापित किया है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि योग जीवन जीने की पद्धति है । आप योग अपनाकर दवाइयों व रोग से छुटकारा पा सकते हो । अनिल आर्य ने बताया कि मैने गत 40 दिन भोजन नहीं किया, केवल कच्चे फलाहार पर ही रहा और आज शुगर को समाप्त कर लिया है। मुख्य अतिथि सतीश नागपाल व अध्यक्ष अनिता आर्या ने योग के महत्व पर प्रकाश डाला और प्रतिदिन योग करने का संकल्प करवाया। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि योग ही जीवन हमारा योग प्राणहार है । योगशिक्षक वीना वोहरा ने योगासन करके दिखाए। गायिका कमलेश हसीजा, प्रवीना ठक्कर,प्रतिभा कटारिया, संध्या पांडेय,वेदिका आर्या,जनक अरोड़ा, नरेंद्र आर्य सुमन,रवीन्द्र गुप्ता आदि के मधुर भजन हुए। आर्य नेता ओम सपरा, प्रेम हंस,सौरभ गुप्ता,वीरेन्द्र आहूजा, रंजना मित्तल, राजेश मेहंदीरत्ता, अमरनाथ बत्रा,दुर्गेश आर्य आदि उपस्थित थे।

# हड्डियों की घिसावट पर गोष्ठी सम्पन्न

## धूप, हल्का व्यायाम, दूध पनीर से दे हड्डियों को मजबूती –डॉ. रमाकान्त गुप्ता
## हरि सब्जियां व फलाहार से मिलेगी नई ऊर्जा–राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

मंगलवार, 15 जून 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'हड्डियों की घिसावट' पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया । यह कॅरोना काल में 235 वा वेबिनार था। आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. रमाकान्त गुप्ता ने कहा कि 50 वर्ष की आयु के बाद हड्डियों का विशेष ध्यान रखना चाहिए और चेकअप करवाते रहना चाहिए । हड्डियां भुरने व घनत्व कम होने की समस्या हो जाती है । एकाएक हड्डी टूट भी जाती है । इसके लिए आवश्यक है कि प्रतिदिन धूप का सेवन करें । पनीर दूध मठे की मात्रा आहार में बढ़ाये । दैनिक हल्का व्यायाम दिनचर्या का अंग बनाये जिससे शरीर गतिमान बना रहे । लेट कर टीवी व मोबाईल न देखे । बढ़ती आयु में स्वस्थ रहना स्वयं की जिम्मेदारी है इसलिए घर पर भी बिना किसी काम के भी एक कमरे से दूसरे कमरे तक चलते रहे तो बुढ़ापा ठीक निकल सकता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि फलाहार व हरी सब्जियां ऊर्जा देती हैं इनका नियमित सेवन लाभकारी रहता है। पूर्व मेट्रो पोलटेन मजिस्ट्रेट ओम सपरा ने कहा कि अच्छी खुराक व व्यायाम के साथ आध्यात्मिक होना भी आवश्यक है । अध्यक्षता करते हुए डॉ. रचना चावला ने कहा कि कॅरोना काल में स्वस्थ जीवन जीना एक चुनौती है, साथ ही इम्युनिटी के लिए नींद पूरी लेना भी आवश्यक है। गायिका संगीता आर्या, प्रवीन आर्या,प्रवीना ठक्कर,कमलेश भाटिया,वीरेन्द्र आहूजा, रवीन्द्र गुप्ता,जनक अरोड़ा, ओमप्रकाश अरोड़ा, प्रतिभा कटारिया,ईश्वरदेवी आदि ने मधुर गीत सुनाये। आचार्य महेन्द्र भाई, प्रवीन आर्य,सौरभ गुप्ता, डॉ सुनील रहेजा,आनन्द प्रकाश आर्य,आस्था आर्या,प्रेम सचदेवा, विजय हंस, प्रकाशवीर शास्त्री,डॉ मंजु गुप्ता, कमलेश हसीजा,संजय सपरा आदि उपस्थित थे।

# कोरोना के बाद प्रभाव पर गोष्ठी व संत कबीर जयंती पर किया नमन

## हल्का व्यायाम–प्राणायाम, खुश रहें, पौष्टिक भोजन से होगा कल्याण –डॉ. सुनील रहेजा (एम एस,जी बी पंत अस्पताल)

## बैंक में संयुक्त खाता व उत्तराधिकारी नियुक्त करें –यशोवीर आर्य

बुधवार 23 जून 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'कोरोना के बाद प्रभाव' पर गोष्ठी व संत कबीर को स्मरण कर ऑनलाइन आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 239वां वेबिनार था। जी बी पंत अस्पताल के एम एस डॉ. सुनील रहेजा ने कहा कि कोरोना के बाद के प्रभाव चिंता व सावधानी बरतने का विषय है। कमजोरी होना स्वाभाविक ही है, इसके लिए पौष्टिक आहार लें साथ ही हल्का व्यायाम करें। व्यक्ति को खुश रहना चाहिए। योग और प्राणायाम रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में अत्यंत सहायक हैं योग प्रतिदिन करें। मास्क ठीक से पहने।घर पर ही आधा घंटा किसी बहाने से चलते रहे इससे शक्ति का संचार होगा। समय समय पर शुगर,बी पी व ऑक्सीजन लेवल चेक करते रहें यदि यह सावधानी बरतेंगे तो शीघ्र रिकवरी हो जायेगी। मुख्य अतिथि यशोवीर आर्य ने कहा कि कोरोना काल में अनेको अपनो को हमने खोया है,अतः यह ध्यान रखना चाहिए कि बैंक में संयुक्त खाता आपरेट करें व उत्तराधिकारी अवश्य नामांकित करें जिससे बाद में परिवार वालो को समस्याओं का सामना न करना पड़े।सभी आवश्यक दस्तावेज एक फाइल में संभाल कर रखें यह सावधानी भी आवश्यक है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि साहस,प्रसन्नता,मित्रता से स्वास्थ्य लाभ में बढ़ोतरी होगी। मित्रो से गपशप लगाएंऔर संगीत पर डांस करें ये ओषधि का काम करेगा। अध्यक्ष डॉ. (कर्नल)विपिन खेड़ा ने कहा कि हम छोटी छोटी बातों का ध्यान रखकर शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकते है। आर्य रविदेव गुप्ता ने संत कबीर को राम भक्त व आस्तिक थे वह सामाजिक समरसता के प्रतीक हैं । वह पाखंड विरोधी सुधारवादी आंदोलन के प्रतीक रहे। प्रांतीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने सन्त कबीर के प्राकट्य दिवस पर कहा कि कबीर दास जी हमारे हिंदी साहित्य के एक जाने माने महान कवि होने के साथ ही एक समाज सुधारक भी थे,उन्होंने समाज में पाखंड,अंधविश्वास, कुरीतिओं को खत्म करने की कोशिश की और अपनी अंतिम श्वास तक जगत कल्याण के लिये जीते रहे।

# वैदिक सिद्धान्त सर्वोपरि पर गोष्ठी सम्पन्न

## ईश्वर पाप क्षमा नहीं करता –आचार्य विजय भूषण आर्य

गुरुवार 17 जून 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'वैदिक सिद्धांत सर्वोपरि' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल मे 236 वां वेबिनार था। वैदिक युवा विद्वान् आचार्य विजय भूषण आर्य ने कहा कि ईश्वर कभी पाप क्षमा नहीं करता व हमारे किये कर्मो का फल हमें प्राप्त होता है,यही ईश्वरीय न्याय व्यवस्था है।उन्होंने वैदिक सिद्धांत सर्वोपरि विषय पर बहुत ही सुन्दर,सरल,तार्किक एवं वेदों के प्रमाण प्रस्तुत करते हुए ईश्वर द्वारा न कभी अवतार लिया जा सकता है और न ही भविष्य में कभी अवतार लिया जायेगा। आत्मा परमात्मा का अंश नहीं,अपितु एक स्वतंत्र सत्ता है। भगवान् और परमात्मा के गुण अलग अलग हैं।भगवान् अर्थात् दिव्य आत्मा इस संसार में समय समय पर जन्म कल्याण के लिए जन्म लेती हैं,परन्तु ईश्वर जो सृष्टि का रचयिता है वह शरीर धारण नहीं करता।शरीर धारण करना कर्म का फल कहलाता है और ईश्वर ऐसा कोई कर्म नहीं करता, जिसका फल उसे संसार में आकर जन्म लेना पड़े।श्रीराम और श्रीकृष्ण भगवान् हैं परन्तु वे परमात्मा नहीं हैं।भगवान् का अर्थ है जिसमें 6 विशेष गुण होते हैं। 1 ऐश्वर्य, 2 यश, 3 धर्म, 4 श्री, 5 ज्ञान, 6 वैराग्य,श्रीराम और श्रीकृष्ण इन छहों गुणों से युक्त थे,अतः उनको भगवान् की उपाधि प्राप्त हुई।ईश्वर हमारे मन के अंदर आने वाले दुष्ट विचारों का भी दंड देता है।अन्य मतावलम्बी ईश्वर को दयालु समझते हुए ऐसा मानते हैं कि वह उनके पाप क्षमा कर देता है।परन्तु आर्य समाज के सिद्धांतों के अनुसार ईश्वर की दयालुता यह है कि सृष्टि की रचना सब जीवों के कल्याण के लिए की गई है।ईश्वर ने पंच तत्वों की रचना कर हम पर बहुत उपकार किया है और वो हमसे इन का कोई मूल्य नहीं लेता। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि वेद परमात्मा की वाणी है,इसके ज्ञान से हम पाखण्ड, अंधविश्वास व आडम्बर से बच सकते हैं। तिहाड़ जेल के पूर्व जनसंपर्क अधिकारी सुनील गुप्ता ने आर्य समाज के आदर्शों को अपनाने पर बल दिया व मुख्य अतिथि विजयलक्ष्मी आर्या ने कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा की। उत्तर प्रदेश प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि सभी भ्रांतियां का निवारण वेदों से ही हो सकता है।

# ईशोपनिषद में वैश्विक कल्याण की अवधारणा पर गोष्ठी सम्पन्न

## त्याग पूर्ण भोग व निष्काम कर्म है उपनिषद का संदेश–डॉ.रामचन्द्र (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय)

रविवार 27 जून 2021,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'ईशोपनिषद में वैश्विक कल्याण की अवधारणा' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल में 241वां वेबिनार था। वैदिक विद्वान डॉ रामचन्द्र (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय) ने कहा कि उपनिषद भारतीय ऋषियों की विश्व को बहुमूल्य देन है।देश विदेश के करोड़ों लोगों ने इस साहित्य से प्रेरणा एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया है।ईशोपनिषद् कुल 18 मंत्रों का बहुत छोटा सा ग्रंथ है,पर इसे ज्ञान एवं अध्यात्म का महासागर कहना अतिशयोक्ति नहीं है।संसार के कण–कण में ईश्वर के वास होने का प्रथम उल्लेख इसी उपनिषद में प्राप्त होता है।ईश्वर सब जगह पर व्याप्त है और इसीलिए व्यक्ति को किसी के भी धन का लालच नहीं करना चाहिए और त्याग पूर्वक उपभोग करना चाहिए।यह इस उपनिषद् का मूल मंत्र है जिसे अपनाकर संपूर्ण विश्व में आपसी सद्भाव एवं प्रेम की स्थापना की जा सकती है।निष्काम कर्म पर जोर देते हुए इसमें भौतिक विज्ञान एवं आध्यात्मिक ज्ञान, प्रकृति एवं पुरुष,कर्म एवं ज्ञान तथा विनाश एवं उत्पत्ति के समन्वय पर जोर दिया गया है। वर्तमान भौतिकतावादी युग में सुख – समृद्धि बढ रही है पर व्यक्ति का जीवन पहले से अधिक तनाव ग्रस्त एवं चिन्ता पूर्ण हो गया है। ईशोपनिषद् के दिव्य मन्त्रों का अध्ययन एवं आचरण इस अन्धकार को दूर करके आनन्द एवं उल्लास पूर्ण मार्ग को प्रशस्त करता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि व्यक्ति संसार में रहकर भी निर्लेप जीवन जिये।कर्मशील मनुष्य सदैव लक्ष्य को प्राप्त करते हैं। मुख्य अतिथि नरेश खन्ना ने महर्षि दयानंद के मानव जाति पर उपकारों की चर्चा की।अध्यक्षता करते हुए आचार्य हरिओम शास्त्री ने कहा कि उपनिषदों का अध्ययन करके हम कर्मशील बन सकते हैं। परिषद के राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि उपनिषद ईश्वर के कण कण में होने को सुनिश्चित करते हैं।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**, 2199/63,नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मा. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970